

भाजपा प्रभारी ने उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार को बताया जातः सोशल मीडिया पर ट्रोल हुए, ट्रोलर्स ने कहा- तमिलनाडु में जाट हमने नहीं सुना बढ़ता राजस्थान

जयपुर। प्रदेश भाजपा प्रभारी राधामोहन दास अग्रवाल एनडीए के उपराष्ट्रपति पद के प्रत्याशी सीपी राधाकृष्णन को जाट बताकर ट्रोलर्स के लिए पोस्ट कर लिखा था— प्रधानमंत्री नंदें मोदी को कोटा-बूंदी (राजस्थान) में 1507.00 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से ग्रीन फौल्ड हवाई अड्डे के विकास हेतु भारतीय विमाननतन प्रधिकरण (एएआई) के प्रतापवार को मंजूरी दे दी। चंबल नदी के तट पर स्थित कोटा, राजस्थान की औद्योगिक राजधानी के रूप में जाना जाता है। इसके अतिरिक्त, कोटा भारत के शैक्षिक कोचिंग केंद्र के रूप में भी प्रमिल है। एक आधिकारिक विजित के अनुसार, राजस्थान सरकार ने 321 प्रकार के विमानों के संचालन हेतु उपयुक्त ग्रीनफौल्ड हवाई अड्डे के विकास हेतु एएआई को 440.06 हेक्टेयर भूमि हस्तांतरित की है।

इंदौर के कार्टूनिस्ट पीएम और आरएसएस से मांगेंगे माफी आपतिजनक कार्टून बनाने पर हुई थी एफआईआर; सुप्रीम कोर्ट में कहा- सोशल मीडिया पर लिख्युगा माफीनामा बढ़ता राजस्थान

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के कार्टूनिस्ट हेमंत मालवीय प्रधानमंत्री नंदें मोदी और आरएसएस से माफी मांगेंगे। विवाहित कार्टून बताया के चलते इंदौर के युवक ने हाईकोर्ट फिल्सुप्रीम कोर्ट से मालवीय की शिकायत की थी। मालवीय को सुप्रीम कोर्ट में इस मामले में सुनवाई हुई। मालवीय ने कोर्ट के बाहर आरएसएस के प्रधानमंत्री नंदें मोदी का अशोभनीय चित्र बनाने के लिए फेलोकूक, इंस्ट्राम और अन्य सोशल मीडिया प्लॉटफॉर्म पर माफीनामा प्रकाशित करेंगे। मालवीय की ओर से पैरवी बढ़ते ही एडवोकेट वृद्ध गोवर्नर ने सुप्रीम कोर्ट की डबल बैच के समक्ष मालवीय का वर्ष रखा। इस मामले की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट के यान्यामूर्ति अरविंद कमार और न्यायाधीश एवं अंजारिया की युगल पीठ कर रही है। पीठ ने मालवीय को गिरपतारी से दी गई अतिरिक्त सुक्षम आगती सुनवाई तक बढ़ा दी।

बढ़ता ने कहा— कार्टून मीडिया से हटा देंगे कार्टून-एडवोकेट वृद्ध गोवर्नर ने कोर्ट के समक्ष कहा, पहले के आदेश के अनुसार माफीनामा पहले ही प्रस्तुत कर दिया है। यह कार्टून सभी सोशल मीडिया प्लॉटफॉर्म से हटा दिया जायगा। मालवीय अपने सोशल मीडिया अकाउंट के समक्ष कहा कि वह एक माह पहले 11 लाई एक माफीनामा प्रकाशित करेंगे बता देंगे और अपने नंदें मोदी को जानता है पर सुनवाई करते हुए उनके द्वारा प्रकाशित कुछ कार्टूनों पर नाराजी व्यक्त की थी। अब केस की सुनवाई अगले हफ्ते होगी।

बिहार में वोटर अधिकार यात्रा

विरोध करने वाले बीजेपी नेताओं को राहुल गांधी ने दिया पलाइंग किस; बोले- वोट गया तो समझो राशन-जमीन गई

बढ़ता राजस्थान

गयाजी (एजेंसी)। राहुल गांधी की तीसरी दिन की बोटर अधिकार यात्रा शेषपूरा के बीबीघा में खत्म हुई। यहां श्री कृष्ण सिंह चौक पर राहुल गांधी ने लोगों को संबोधित किया। बीबीघा के बाद गांधी ने चुनाव चौरी नहीं होने देंगे। चोट हम कार्डिंग सेंटर का अधिकार है। बिंदुतान में गरीबों के पास आज सिर्फ बोट चला दुआ है। अगर ये चतुर गया तो सब चतुर गया जाएगा। महाराष्ट्र, हरियाणा, मध्य प्रदेश के चुनाव में बीजेपी ने बोट चौरी की है। चुनाव आयोग बोट चौरी करवा रहा है। तेजस्वी यादव ने भी लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि 20 साल हां लोगों के बहुत सहा है। अब नहीं। शिक्षा-स्वास्थ्य सब चौपट है। अब इन लोगों को हटाने का वक्त का गया है।

नवाद में राहुल की गाड़ी के नीचे आया जवान

इससे पहले बिहार के नवाद में बोटर अधिकार यात्रा के दौरान राहुल गांधी की सुरक्षा में तैनात एक पुलिसकर्मीयों ने खाँचका पुलिसकर्मी को बहर निकाला। राहुल गांधी ने भी लेकर कोई गाँधीवाला चला चूका। यहां लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, चुनाव आयोग और बीजेपी के बीच पार्टीनशिप है। ये मिलकर बोट चौरी कर रहे हैं। नंदें मोदी, अमित शाह और चुनाव आयुक्त मिलकर आपसे बोट छूटे हैं। तेजस्वी ने कहा, अप लोग आने वाले लोकसभा चुनाव में महागठबंधन की सरकार बनाएं और राहुल गांधी को देश का अगला प्रधानमंत्री।

सुप्रीम कोर्ट ने पूछा- राष्ट्रपति ने सलाह मांगी तो दिक्षित क्या : सरकार बोली- क्या कोर्ट संविधान दोबारा लिख सकती है; राष्ट्रपति-राज्यपाल के फैसलों की डेलाइन का मामला

बढ़ता राजस्थान

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार को राष्ट्रपति और राज्यपालों के बिलों पर हस्ताक्षर करने के लिए डेलाइन लागू करने वाली याचिका पर सुनवाई हुई। सोनेआँ वीआर गवर्नर की अधिकार वाली 5 जांचों की संविधान पोटे ने पूछा, जब खुद राष्ट्रपति ने सभ मांगी है तो इसमें दिक्षित क्या है? क्या आप बाकई इसे चुनौती देना चाहते हैं।

बैंच ने कहा कि कोर्ट इस मामले में सलाहकारी अधिकार-क्षेत्र में बैठी है, यानी अभी यह कोई अंतिम आदेश नहीं बिलकू बैंच राय देने को प्रक्रिया है। केंद्र सरकार की तरफ से अटार्नी जनरल एवं वेक्टरपार कोर्ट के अप्रैल 2025 वाले फैसले पर कहा कि क्या आप अदालत संविधान को फिर से लिख सकती है? कोर्ट ने गवर्नर और राष्ट्रपति को आप प्रशासनिक अधिकारी की तरफ देखा, जबकि वे संवैधानिक पक हैं। केंद्र की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कोर्ट के लिए जरूरती जरूरत का अप्रैल 2025 वाले फैसले पर कहा कि क्या आप बाकई इसे चुनौती देना चाहते हैं।

उस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि तमिलनाडु मामले में दखल इसलिए दैना पूँजी क्योंकि गवर्नर लंबे समय तक बिलों पर बैठे रहे और लोकतानिक प्रक्रिया रुक गई। अब अदालत तय याचिका के बिलों पर कहा कि राष्ट्रपति और गवर्नर नहीं हैं। इसी फैसले में कहा था कि राज्यपाल को और संभेद गवर्नर को भी एक तारीफ फैसला लेना होगा। यह ऑर्डर 11 अप्रैल को समाप्त हो रहा है।

स्वतंत्रविधारी, सुदूर, प्रकाशक श्रीमती कमलेश विजयवर्गी द्वारा बढ़ता राजस्थान प्रिंटिंग प्रेस, हमीस्पुरा रोड खण्डवा, निवाई टॉक (राज.) से मुद्रित एवं राजकीय महाविद्यालय के पास एन एच-12, बाईपास निवाई टॉक (राज.) से प्रकाशित, संयोग-तत्त्वज्ञ पठान।

स्वतंत्रविधारी, सुदूर, प्रकाशक श्रीमती कमलेश विजयवर्गी मो.नं. 9414242258, 9214048888 टोंक कांटालय मो.नं. 941423448 प्रधान कांटालय: 185/ 116 "प्रतीक्षा" सेक्टर-18, प्रताप नगर, संगानेर, जैपुर (राज.) फोन नं. 0141-2796794, 2796795।

E-Mail-badhatarajasthan@yahoo.com, *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्बेदार (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जयपुर महानगर होगा)

मोदी सरकार का बड़ा तोहफा, कोटा-बूंदी एयरपोर्ट को मंजूरी, कटक-भुवनेश्वर में बनेगा 6 लेन रिंग रोड

बढ़ता राजस्थान

नई दिल्ली(एजेंसी)। प्रधानमंत्री नंदें मोदी की अधिकारीय समिति ने मंगलवार को कोटा-बूंदी (राजस्थान) में 1507.00 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से ग्रीन फौल्ड हवाई अड्डे के विकास हेतु भारतीय विमाननतन प्रधिकरण (एएआई) के प्रतापवार को मंजूरी दे दी। चंबल नदी के तट पर स्थित कोटा, राजस्थान की औद्योगिक राजधानी के रूप में जाना जाता है। इसके अतिरिक्त, कोटा भारत के शैक्षिक कोचिंग केंद्र के रूप में भी प्रमिल है। एक आधिकारिक विजित के अनुसार, राजस्थान सरकार ने 321 प्रकार के विमानों के संचालन के लिए 07 पार्किंग बे-



के साथ एप्रिल, दो लिंक टैक्सीवे, एटीसी सह तकनीकी व्हाइट, फायर स्टेशन, कार पार्क और संबंधित कार्य भी इसमें शामिल हैं। कार्यों को शैक्षिक और औद्योगिक क्षेत्रों में प्रमुखता, ग्रीनफौल्ड हवाई अड्डे को एक महत्वपूर्ण बूनियादी ढांचा परियोजना बनाती है, जिसके उद्देश्य क्षेत्र में अनुमानित विमान लेता है। विमानों को संभालने में सक्षम है। ग्रीनफौल्ड हवाई अड्डे के लिए उपयुक्त एवं उपयोगी विमानों को अनुमानित कर सकता है। विमानों को संभालने में सक्षम है।

भारतीय विमाननतन प्रधिकरण (एएआई) के स्वामित्व में है। इसमें 1220 मीटर × 38 मीटर आकार का एक नवंबर (08/26) है, जो कोड वी विमानों (जैसे डीओ-228) के लिए उपयुक्त है, और एक एप्रिल है जो ऐसे दो विमानों को समायोजित कर सकता है। विमानल भवन 400 वर्ग मीटर और बैंक वी विमानों को संभालने में सक्षम है। हवाई अड्डे के महत्वपूर्ण लाभ प्रदान करेगा।

के आसपास अपर्याप्त भूमि उपलब्धता और शहरीकरण के कारण मंजूरी हवाई अड्डे को वाणिज्यिक संचालन के लिए विकसित नहीं किया जा सकता है।

प्रधानमंत्री नंदें मोदी की अधिकारीय समिति ने मंगलवार को 8307.74 करोड़ रुपये की कुल पूँजीगत लागत से हाइब्रिड एन्जुइटी मोड (एएआई) पर ओरिजिनल के 6-लेन एक्सेस-कट्टोल्ड कैपिटल रीजन रिंग रोड (भुवनेश्वर बाइपास-110, 8.75 किमी) के निर्माण को मंजूरी दे दी। वर्तमान में, मौजूदा शास्त्री